डी०पी०ओ० एवं सी०डी०पी०ओ० लीडरशिप डेव्लपमेंट कोर्स

ट्रेनिंग ऑफ ट्रैनर

विकास उपयुक्त अभ्यास

विकास और सीखने के सिद्धान्त

किसी एक विकास के क्षेत्र में वृद्धि का प्रभाव दूसरे क्षेत्रों पर पड़ता है।

प्रारम्भिक अनुभव, बच्चों के संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

प्रत्येक बच्चा अपनी गति से बढ़ता और सीखता है, और उसमें विकसित होने वाले कौशलों में भिन्नता होती है।

वृद्धि, क्रमिक विकासात्मक चरणों में होती है।

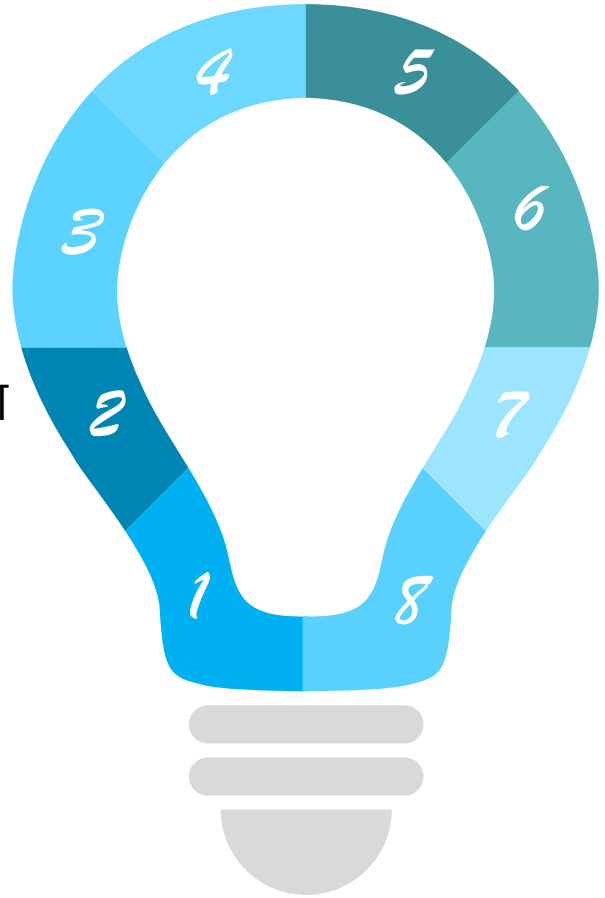

बच्चे सक्रिय अन्वेषण, खेल और अनुभव से बेहतर सीखते है, जिससे उनकी समझ और स्मृति में वृद्धि होती हैं।

अन्य बच्चों, देखभाल कर्ताओं और शिक्षकों के साथ जुड़ाव होने से बच्चों के संवाद और सामाजिक-भावनात्मक कौशलों को बढ़ावा मिलता है।

बच्चों का विकास जैविक और पर्यावरणीय कारकों से प्रभावित होता है।

बच्चों की शिक्षा उनकी संस्कृति और समाज से प्रभावित होती है।

“विकास उपयुक्त अभ्यासों” के मुख्य पहलू

आयु उपयुक्तता
विभिन्न आयुवर्ग के बच्चों के साथ आयु-विशिष्ट गतिविधियों का आयोजन, जिससे उनकी विकासात्मक और सीखने की प्रक्रियाओं का उचित समर्थन किया जा सकें।

व्यक्तिगत रूप से उपयुक्तता
बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों, रूचियों, क्षमताओं और सीखने की गति को पहचानते हुये उनकी आवश्यकता आधारित गतिविधियों का आयोजन करना।

सांस्कृतिक एवं सामाजिक प्रासंगिकता
बच्चों की विविध सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश, अनुभव, पारिवारिक मान्यताएँ आदि को संबोधित करने वाली गतिविधियों का आयोजन।

पहल और वार्षिक कैलेंडर में सम्मिलित "विकास उपयुक्त अभ्यास"

आयुवर्ग अनुसार गतिविधियों का आयोजन

वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के दूसरे एवं चौथे सत्र, में बच्चों की आयु के अनुसार अपेक्षित संज्ञानात्मक एवं प्रारम्भिक साक्षारता व संख्यात्मक लक्ष्यों पर केन्द्रित गतिविधियां दी गई है।

व्यक्तिगत गति में सीखने हेतु अवसर

वार्षिक गतिविधि कैलेंडर में स्वतंत्र खेल के समय बच्चे अपनी इच्छा और क्षमता के अनुसार खेलते और सीखते हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक प्रासंगिक थीम/विषय

वार्षिक गतिविधि कैलेंडर में थीम/विषयों को निर्देशित चर्चा, कहानी, भावगीत, बाहरी खेल एवं रचनात्मक कार्यों जैसी गतिविधियों में एकीकृत किए गए हैं।

विशेष ज़रूरत वाले बच्चों हेतु सहयोग

पहल पुस्तिका में विशेष ज़रूरत वाले बच्चों के साथ किए जा सकने वाले सरल अभ्यास दिये गए है।